भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2312
10 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: जैविक और जैव-उर्वरक का उपयोग
2312. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः
श्रीमती विजयलक्ष्मी देवीः
श्री चन्द्र प्रकाश चौधरीः

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) देश में जैविक और जैव उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार की नीति का ब्यौरा क्या है;
(ख) गत तीन वर्षों के दौरान देश में जैविक उर्वरकों का उत्पादन/उपभोग/उपयोग राज्य-वार कितना है; और
(ग) जैविक और जैव-उर्वरकों के उपयोग से उपज और उत्पादकता पर पड़ने वाले प्रभावों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): देश में जैविक और जैव-उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, सरकार सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) और पूर्वोत्तर क्षेत्र जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन (एमओवीसीडीएनईआर) योजनाओं के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है। दोनों योजनाएं जैविक खेती में लगे किसानों को उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण, प्रमाणन और विपणन और फसलोपरांत प्रबंधन तक शुरू-से-अंत तक सहयोग पर बल देती हैं। प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण योजना का अभिन्न अंग हैं।

पीकेवीवाई योजना के तहत, किसानों को जैविक खाद सहित ऑन-फार्म और ऑफ-फार्म जैविक इनपुट हेतु डीबीटी के माध्यम से 3 वर्ष के लिए 15000 रुपये प्रति हेक्टेयर की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

जबकि, एमओवीसीडीएनईआर योजना के तहत, किसानों को योजना के तहत ऑफ-फार्म/ऑन-फार्म जैविक इनपुट हेतु 3 वर्ष के लिए 32500 रुपये प्रति हेक्टेयर की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जिसमें से जैविक खाद सहित ऑन-फार्म और ऑफ-फार्म जैविक इनपुट के लिए डीबीटी के माध्यम से 15,000 रुपये और रोपण सामग्री के लिए 17,500 रुपये दिए जाएंगे।

(ख): पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों से प्राप्त जैविक उर्वरकों के उत्पादन के बारे में राज्यवार विवरण **अनुबन्ध** में दिया गया है। खपत/उपयोग के आंकड़ों का विवरण केवल राज्य स्तर पर रखा जाता है।

(ग): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने सूचित किया है कि जैविक उर्वरक और जैव उर्वरक के संयोजन से कोयंबटूर (तमिलनाडु) में कपास और सूरजमुखी की उपज बेहतर रही। इसी तरह, रायपुर (छत्तीसगढ़) में चावल और चना की उपज बेहतर रही। इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र में जैविक उर्वरकों और जैव उर्वरकों के संयोजन से चावल-लाल कद्दू और चावल-खीरा प्रणालियों ने बेहतर उपज दर्ज की है।

अनुबन्ध-I

जैविक उर्वरकों के उत्पादन का वर्षवार विवरण (मीट्रिक टन में)

राज्य	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
आंध्र प्रदेश	25006	272572	1858652
असम	130704	43773	125812
बिहार	47861	53256	22500
छत्तीसगढ	2166	-	78402
दिल्ली	27657	-	-
गोवा	-	11221	-
गुजरात	390309	278037	257822
हरियाणा	180299	71179	74223
हिमाचल प्रदेश	18	33	4520
जम्मू एवं कश्मीर	5314508	3250	85240
झारखंड	-	-	32831
कर्नाटक	38089359	2278241	2286649
केरल	38250	13560	-
मध्य प्रदेश	94254	84598	1388205
महाराष्ट्र	231305	237843	343171
मणिपुर	150	-	150
मेघालय	13518	-	-
मिजोरम	58	-	-
नागालैंड	68351	-	-
ओडिशा	37116	14764	-
पंजाब	473	7407	3088335
राजस्थान	18330	50477	52220
तमिलनाडु	60117	231522	2134453
तेलंगाना	27695	28788	-
त्रिपुरा	-	947	1022
उत्तर प्रदेश	139426	74799	802262
उत्तराखंड	6961	7440	10750
पश्चिम बंगाल	6664	6705	-
पुदुचेरी	130	2470	-
लद्दाख	-	-	13681
कुल योग	**4,49,50,685**	**37,72,884**	**1,26,60,900**

स्रोत: एनसीओएनएफ/राज्य सरकारें

****